

ਪਨਾਟਨਮਤ ਸੰਧਿ

ਹਰਿਕਥਾਮ੍ਭਿਤਸਾਰ ਗੁਰੁਗਲ਼
ਕਰੁਣਦਿੰਦਾਪਨਿਤੁ ਪੈਲੁਵੇ
ਪਰਮ ਮਗਵਲਕਤਰਿਦਨਾਦਰਦਿ ਕੋਲੁਵੁਦੁ

ਮੂ ਸਲਿਲ ਸ਼ਿਖਿ ਪਵਨ ਮੂਤਾ
ਕਾਸ਼ਦੋਲਗੈਦੈਦੁ ਤਨਮਾ
ਤ੍ਰਾ ਸਹਿਤ ਆਂਦਥਿਕ ਪੰਚਸਾਦਵਰਣ ਵੈਦਯ
ਈ ਸ਼ਰੀਰਦਿ ਵਾਧਿਸਿਦੁ ਸੁ
ਰਾਸੁਰਿਗੇ ਨਿਰੰਤਰਦਲਿ ਸੁ
ਖਾਸੁਖਪ੍ਰਦਨਾਗਿ ਆਡੁਵ ਦਕੋਸ਼ਿਪਰ ਬਡਿਵ ੭-੧

ਪ੍ਰਣਵਪ੍ਰਤਿਪਾਦਧ ਤ੍ਰਿਨਾਮਦਿ
ਤਨੁਵਿਨੋਲੁ ਤ੍ਰਿਸਥਾਨਗਨਿਰੁ
ਛਨੁ ਤ੍ਰਿਪਂਚਕ ਐਕਵਿੰਸ਼ਤਿ ਚਤੁਰਵਿੰਸ਼ਤਿਗ
ਏਨਿਸਿ ਏ਷ਪਤਤੇਰਡੁ ਸਾਵਿਰ
ਇਨਿਤੁ ਨਾਡਿਗਲੋਲੁ ਨਿਯਾਮਿਸੁ
ਤਨਗਮਹਿਸਿਤਗ ਲੋਕਦੋਲੁ ਸਵਤ੍ਰ ਬੇਲਗੁਵਨੁ ੭-੨

ਜੀਵ ਲਿੰਗਾਨਿਰੁਛ ਸਥੂਲ ਕ

ळेवरगळलि विश्व तुरग
ग्रीव मूलेशाच्युतत्रय हंस मुतिगळा
ई विध चतुः स्थानदलि शं
ती वरन ईरेरडु रूपदि
भाविसुवुदेकोनविंशति मूति सवत्र ७-३

कलुषविल्लद दपणदि प्रति
फलिसि सव पदाथगळु कं
गोळिसुवंददि बिंब जड चैतनगळोळगिद्दु
पोळेव बहुरूपदलि सज्जन
रोळगे मनदपणदि तानि
श्चल निरामय निविकार निराश्रयानंत ७-४

ई शरीर चतुष्टयगळोळु
कोश धातुग भारतीपति प्रा
णोशनिष्पत्तोँदु साविरदारुनूरेनिप
श्वास रूपक हंस भास्कर
भैशरोळगिद्दवर कैविडि
दीसरोज भवांडदोळु सवत्र तुंबिहनु ७-५

शिरगिळैदैदेरडु बाहुग

ਕੇਰਡੁ ਪਾਦਗਲ਼ੌਦੁ ਸਥਿਓ
ਦਰਦਿ ਸ਼ੋਭਿਪ ਵਾਣਘਮਨੋਮਧਨੇਨਿਪ ਨਿਤਯਦਲਿ
ਕਰਣ ਧਾਤੁਗਲਲਿ ਏ਷ਧ
ਤਤੇਰਦੁ ਸਾਵਿਰ ਨਾਡਿਗਲਲਿ
ਅਪਰਵਿਦੂਰਨੁ ਭਾਰਤ ਪ੍ਰਤਿਪਾਦਯਨੋਦੇਨਿਸਿ ੭-੬

ਈਰੇਰਦੁ ਦੋਹੋਮਿਭੂਤ ਗ
ਕਾਰਧਿਕ ਦਸ਼ ਇਗਿਵਨੁਤ ਲ
ਮੀਰਮਣ ਵਿ਷ਣਵਾਖਿਆਨਪਦਿ ਚਤੁ਷਷ਿਟਿਕਲਾ
ਧਾਰਕਨੁ ਤਾਨਾਗਿ ਬ੍ਰਹਮ ਪੁ
ਰਾਇ ਮੁਖਿਆਲਿਛੁ ਸਤਤ ਵਿ
ਹਾਰ ਮਾਕਪਨੁ ਚਤੁ਷ਾਦਾਵਹਿਦਿ ਲੋਕਦੋਕੁ ੭-੭

ਤਿਣ ਮੋਦਲੁ ਬ੍ਰਹਮਾਂਤ ਜੀਕਰ
ਤਨੁ ਚਤੁ਷ਟਿਯਗਲਲਿ ਨਾਰਾ
ਧਣਨ ਸਾਵਿਰਦੈਦੁ ਨ੍ਨੂਰਿਅਪਤਤੁ ਮੋਲਾਰੁ
ਗਣਨੇ ਮਾਕਪੁਦੁ ਬੁਧਰੁ ਰੂਪਵ
ਛਿਣਿ: ਸ੍ਰੂਧਾਦਿਤਿ ਨਾਮਗ
ਕਨੁਦਿਨਦਿ ਜਪਿਸੁਵਰਿਗੀਵਾਰੋਗਿ ਸਂਪਦਵ ੭-੮

ਏਦੁ ਨ੍ਨੂਰੇਅਪਤਤ ਨਾਲਕੁ

आधि भौतिकदलि तिळिवुदु
आइदेरडुशत ऐकविंशति रूपवृद्ध्यात्म
भैदगळलिन्नूरु मूव
त्ताद मैलोंदधिक मूतिग
ळादरदलधि दैवदोळु चिंतिपुदु भूसुरु ७-९

सुरुचि शावरीकरनेनिसि सं
करुषण प्रद्युम्न शशि भा
स्कररोळगे अरवत्तधिक मुन्नूरु रूपदलि
करेसिकोंबनु अहस्संव
त्सरनेनिपनु विशिष्ट नामद
लरितवरिगारोग्यभाग्यवनीवानंदमय ७-१०

ऐक पंचाशद्वर्णगत
माकळत्रनु सवरोळग
व्याकङ्गताकाशांत व्यापिसि निगमततिगळनु
व्याकरण भारत मुखाद्य
नैक शास्त्र पुराण भाष्या
नीकगळ कल्पिसि मनोवाण्डमयनेनिसिकोंब ७-११

भारभङ्गनामक साविर

दारु नूरिप्पत्तु नालुकु
मूरुतिगळु चाराचरदि सवत्र तुंबिहवु
आरु नाल्कु जडगळलि हदि
नारु चैतनगळलि चितिसे
तोरिकोंबनु तन्न रूपव सकल ठाविनलि ७-१२

मिसुनि मैलिन मणियवोल् रा
जिसुव ब्रह्मादिगळ मनदलि
बिसजजांडाधारकनु आधेयनेंदेनिसि
दविशत नाल्वत्तेरडु रूपदि
शशियोळिप्पनु शशदोळगे शौ
भिसुव नाल्वत्तेरडधिक शतरूपदलि बिडदे ७-१३

ऐरडु साविरदेंतु रूपव
नरितु सव पदाथदलि सिरि
वरन पूजेय माडु वरगल बैडु कौडाडु
बरिदे जलदलि मुणुगि बिसिळोळु
बेरळनेणिसिदरेनु सद्गुरु
हिरियरननुसरिसिद ममवनरियदिह नरनु ७-१४

मत्ते चिद्देहद ओळगे एं

भृत्यु साविरदेलु नूरि
प्पत्त ऐदु न्डसिंह रूपदल्लिदु जीवरिगे
नित्यदलि हगलिरुलु बप्पप
मङ्गत्युविगे ता मङ्गत्युवेनिसुव
मङ्गत्युवत्सल भय विनाशन भाग्य संपन्न ७-१५

ज्वरनोक्लिप्पत्तेलु हरनोक्ल
गिरुवनिप्पत्तेटु रूपदि
एरडु साविरदेटु नूरिप्पत्तरेक्लेनिप
ज्वरहराव्हय नारसिंहन
स्मरणे मात्रदि दुरितराशिग
क्लिरदे पोपवु तरणि बिंबव कंड हिमदंते ७-१६

मास परियंतरवु बिडदे न्ड
कैसरिय शुभनाम मंत्र जि
तासनदलोकाग्र चित्तदि निष्कपटदिंद
बैसरदे जपिसलु व्हजिनगळ
नाशगैसि मनोरथगळ प
रेश पूतिय माडिकोडुवनु कडेगे परगतिय ७-१७

चतुरमूत्यात्मक हरियु त्रिं

शति स्वरूपदि ब्रह्मनोळु मा
रुतनोळिप्पत्तेळु रूपदोळिप्प प्रद्युम्न
सुतरोळिप्पत्तैदु हदिने
टतुळ रूपगळारितु वत्सर
शतगळलि पुजिसुतलिरु चतुरात्मकन पदव ७-१८

नूरु वरुषके दिवस मूव
त्तार साविरवहवु नाडि श
रीरदोळगिनितिहवु स्त्रीपुं भौददलि हरिय
ईरधिक एष्पत्तु साविर
मूरुतिगळने नेनेदु सवा
धारकन सवत्र पूजिसु पूणनेंदरिदु ७-१९

काल कम गुण स्वभावग
ळालयनु तानागि लकुमी
लौल तत्तद्रूपनामदि करेसुतोळगिद्दु
लीलेयिंदलि सव जीवर
पालिसुव संहरिसि स्फृष्टिप
मूलकारण प्रकइति गुणकायगळ मनेमाडि ७-२०

तिलजवतिगळनुसरिसि प्र

ज्वलिसि दीपगळालयद क
त्तलेय भंगिसि तत्गताथव तोरुवंददलि
जलरुहेअण तन्नवर मन
दोळगे भक्ति ज्ञनान कमके
ओलिदु पोळेवुत तोरुवनु गुण रूपक्रियगळनु ७-२१

आव दैहव कोडलि हरि म
त्ताव लोकदळिडलि ता म
त्ताव दैशदोळिडलि आवाव स्थितिगळु बरलि
ई विधदि जड चैतनरोळु प
रावरेशन रूपगुणगळ
भाविसुत सुज्ज्ञनान भकुतिय बेदु कोँडाडु ७-२२

ओंदरोळगोंदोंदु बेरेदिह
इंदिरेशन रूपगळ मन
बंद तेरदलि चिंतिसिदकनुमानविनितिल्ल
सिंधुराजनोळंबरालय
बंधिसलु प्रति तंतुगळोळुद
बिंदु व्यापिसिदंते इरुतिप्पनु चराचरदि ७-२३

ओंदु रूपदोळोंदवयदो

ਲੋਂਦੁ ਰੋਮਦੋਲੋਂਦੁ ਦੇਸਹਦਿ
ਪੌਂਦਿ ਇਧਪਬੁਜਾਂਡਨਨਤਾਨਨਤ ਕੋਟਿਗਲੁ
ਹਿੰਦੇ ਮਾਕਾਂਡੋਯ ਕਾਣਨੇ
ਅੱਦੁ ਰੂਪਦਿ ਸ਼ਿ਷ਟਿ ਪ੍ਰਕਥਵ
ਇੰਦੀਰੇਸ਼ਨੋਕੋਨਿਦਚਚਰਿ ਅਪ੍ਰਮੋਯ ਸਦਾ ੭-੨੪

ਅੱਦਨਨਤਾਨਨਤ ਰੂਪਗ
ਲੋਂਦੇ ਰੂਪਦੋਕਿਹਵੁ ਲੋਕਗੋ
ਲੋਂਦੇ ਰੂਪਦਿ ਸ਼ਿ਷ਟਿ ਸਥਤਿ ਮੋਦਲਾਦ ਵਧਾਪਾਰ
ਅੱਦੇ ਕਾਲਦਿ ਮਾਡਿ ਤਿਕਿਸਦੇ
ਸਾਂਦਣਿਸਿਕਾਂਦਿਪਪ ਜਗਦੋਲੁ
ਨਨਦਨਨਦਨ ਰਣਦੋਕਿੰਦ੍ਰਾਤਮਜਗੇ ਤੌਰਿਸਨੇ ੭-੨੫

ਸ਼੍ਰੀਰਮੋਸ਼ਨ ਮੂਰਿਗਲੁ ਨਵ
ਨਾਰਿਕੁੰਜਰਦੰਤੇ ਐਕਾ
ਕਾਰ ਤੌਪਰੁ ਅਵਧਵਾਵਹਿ ਅਵਧਵਗਠਲਿ
ਬੋਰੇ ਬੋਰੇ ਕੰਗੋਕਿਸੁਵ ਸ਼
ਰੀਰਦੋਲੁ ਨਾਨਾ ਪ੍ਰਕਾਰ ਵਿ
ਕਾਰਸ਼ੂਨ੍ਯ ਵਿਰਾਟਨੋਨਿਸੁਵ ਪਦੁਮਜਾਂਡਦੋਲੁ ੭-੨੬

ਵਾਰਿਜਭਵਾਂਡਦੋਲੁ ਲਕੁਮਿ

नारसिंहन रूपगुणगङ्गु
वारिधियोक्त्रिह तेरेगङ्दंदि संदणिसि इहवु
कारणांशावेश व्याप्तव
तार काय व्यक्तव्यक्तवु
आरुनाल्कु विभूतियंतयामि रूपगङ्गु ७-२७

मणिगळोक्तगिह सूत्रदंददि
प्रणवपाद्यनु चेतनाचे
तन जगत्तिनोक्तनुदिनदोक्ताङ्कुवनु सुखपूण
दणुविकेयु इवगिल्ल बहुका
रुणिकनंतानंत जीवर
गणदोक्तेकांशा रूपदि निंतु नोमिसुव ७-२८

जीवजीवरभैद जड जड
जीवजड जडजीवरिंदलि
श्रीवरनु अत्यंत भिन्न विलअणनु लक्ष्मी
मूवरिंदलि पदुमजांडदि
ता विलअणक्लेनिसुतिष्पङ्गु
सावधिक समशून्यक्लेदरितीवरनु भजिसु ७-२९

आदितेयरु तिक्तियदिह गुण

वैदमानिगङ्केनिप वा
ण्यदिगङ्कु बल्लरवररियद गुणगणंगङ्कनु
वैधबल्लनु बोम्मनरियद
गाधगुणगङ्कु लकुमि बल्लङ्कु
श्रीधरोब्बनुपास्य सद्गुणपूण हरियेंदु ७-३०

इंतनंतानंत गुणगङ्क
प्रांतगाणदे महालकुमि भग
वंतगाभरणायुधांबरवालयगङ्कागि
स्वांतदलि नेलेगोळिसि परम दु
रंत महिमन दौत्य कम नि
रंतरदि माङ्कुतलि तदधीनत्ववैदिहङ्कु ७-३१

प्रक्षय जलधियोङ्कुळळ नावेयु
होलबुगाणदे सुत्तुवंददि
जलरुहेअणनमल गुणरूपगङ्क चिंतिसुत
नेलेय गाणदे महलकुमि चं
चलवनैदिहळल्प जीवरि
गङ्कवडुवुदेनिवन महिमेगङ्की जगत्रयदि ७-३२

श्रीनिकेतन सात्वतांपति

ज~नानगंय गयासुरादन
मौनिकुलसन्मान्य मानद मातुळ ६वंसि
दीनजन मंदार मधुरिपु
प्राणद जगन्नाथ विठ्ठल
ताने गतियेंदनुदिनदि नंबिदवरनु पोरेव ७-३३